

और पौधे के रूप में उगता है 2. किसी कार्य का मुख्य कारण 3. शक्ति, वीर्य 4. फल का अंदरूनी तल 5. ऐसा सांकेतिक शब्द जिसको विशिष्ट व्यक्ति ही समझता है लाक्ष. आगे चलकर भविष्य में बड़ा परिणाम देने वाला शुरू की छोटी बात तंत्र. किसी मंत्र का विशेष अव्यक्त घनीभूत रूप, बीजमंत्र या बीजाक्षर जैसे- 'ऐ' हीं आदि नाट्य. नाटक में पाँच अर्थ प्रकृतियों (बीजी, बिंदु, पताका, प्रकरी और कार्य) में पहली अर्थप्रकृति, नाटक के प्रारंभ में 'बीज' हेतु जो विस्तृत होकर 'फल' का साधक होता है।

**बीजक** पुं. (तत्.) 1. नामावली, सूची, जिससे गड़े हुए या गुप्त रूप से रखे धन का पता लगे 2. रेल, ट्रक या जहाज द्वारा भेजे गए माल और मूल्य का विवरण, चालान, बिल्टी। invoice

**बीजगणित** पुं. (तत्.) गणित विद्या का वह भेद, जिसमें संख्या के स्थान पर अक्षरों को संख्या माना जाता है और अक्षरों का अज्ञात मान होता है।

**बीजदर्शक** पुं. (तत्.) नाटक में अभिनयादि का प्रबंध करने वाला।

**बीजधर्मिता** स्त्री. (तत्.) बीजधर्मों का गुण या भाव, बीजत्व से पूर्ण।

**बीजपुरुष** पुं. (तत्.) कुल या वंश का प्रारंभिक पुरुष, आदि पुरुष।

**बीजबंद** पुं. (तत्.) खरयष्टिका, पौधों की एक जाति जो वैद्यक शास्त्र में 'बरियाए' नाम से जाना जाता है, बला, खिरंटी, बनमेथी का बीज।

**बीजमंत्र** पुं. (तत्.) देवाराधन के तांत्रिक कर्म में एक अक्षर का मंत्र, तंत्रानुष्ठान में एक अव्यक्त ध्वनि जिसमें देवता को अनुकूल/प्रसन्न करने की अचूक शक्ति होती है, रहस्य।

**बीजल** वि. (तत्.) ज्यादा बीजों वाला जैसे- बीजल सब्जियाँ और फल।

**बीजलिपि** स्त्री. (तत्.) 1. भाषा, लेख की मूल लिपि, मूल संहिता 2. महत्वहीन व्यक्ति।

**बीजलेख** पुं. (तत्.) महत्वपूर्ण गूढ़ लेख, अज्ञात पुरालिपि।

**बीजवपन** पुं. (तत्.) बीज बोना या बीज बोने की प्रक्रिया, बीजारोपण।

**बीजांक** पुं. (तत्.) मूल, अंक।

**बीजाक्षर** पुं. (तत्.) तंत्रसाधना में बीजमंत्र का प्रथम अक्षर।

**बीजाढ्य** वि. (तत्.) 1. जिसमें बीजों की अधिकता हो 2. पुं. एक प्रकार का नींबू जिसे बिजौरा नींबू कहते हैं।

**बीजारोपण** पुं. (तत्.) 1. भूमि में बीजवपन करना 2. शुरू में लघु रूप किंतु विकसित होने पर विशाल परिणाम वाला काम।

**बीजाश्व** पुं. (तत्.) कोतल, घोड़ा।

**बीजी** स्त्री. (तत्.) 1. फल का बीज, फल का गूदा 2. विद्युत, बिजली पुं. जनक, पिता।

**बीजू** वि. (तद्.) मात्र बीज बोकर उससे निकला वृक्ष न कि कलमी वृक्ष।

**बीट** स्त्री. (देश.) 1. कौआ, कबतूर आदि चिड़ियों का मल 2. ऊँट की धीमी चाल या डग, ऊँट की तीन चालों, कलछार, ढान और बीट में क्रमशः तीव्रतम, तीव्र और धीमी होती है।

**बीटा-किरणें** स्त्री (अं.+तत्.) ऋण विद्युत आवेश वाली तथा प्रकाश के वेग से कम वेग वाली, रेडियो-ऐक्टिव पदार्थों से निकलने वाली किरणें, ग्रीक वर्णमाला में एल्फा, बीटा और गामा नामक प्रारंभिक अक्षर हैं, एल्फा और बीटा किरणें भी रेडियोऐक्टिव पदार्थों से निकलती हैं।

**बीड़** पुं. (तद्.) 1. बेर के वृक्ष के काँटों का घेरा (देश.) रुपए की गाड़ियों का ढेर, रुपये की गड़िडियाँ।

**बीड़ा** पुं. (तद्.) 1. कत्था-चूना लगाकर सुपारी सहित तिकोना बनाया पान, पान का बीड़ा, पान की गिलौरी 2. कठिन काम करने के लिए लिया गया प्रण मुहा. बीड़ा उठाना- कठिन काम करने का व्रत लेना; बीड़ा लेना- कठिन काम करने का दायित्व सौंपना।